नीम– नीम एक बहुत ही अच्छी औषधि है जो भारतीय पर्यावरण के अनुकूल है।

इसका स्वाद कड़वा होता है लेकिन इसके फायदे अनेक और प्रभावशाली हैं।

उपयोग– नीम की छाल का लेप सभी प्रकार के चर्म रोगों और घावों के निवारण में सहायक हैं। नीम की दातुन करने से दाँत और मसूड़े स्वस्थ रहते है।

तुलसी– भारतीय संस्कृति में तुलसी को पूजनीय माना जाता है। धार्मिक महत्त्व होने के साथ-साथ तुलसी औषधीय गुणों से भी भरपूर है। आयुर्वेद में तो तुलसी को उसके औषधीय गुणों के कारण विशेष महत्व दिया गया है।

इसका उपयोग सर्दी-जुकाम, खाँसी, दंत रोग और श्वास सम्बन्धी रोग के लिए बहुत ही फायदेमंद माना जाता है।

पीपल– पीपल का वृक्ष बहुत विशाल, अनगिनत टहनियों वाला तथा छायादार होता है। यह वृक्ष हमारी धार्मिक आस्था का केन्द्र भी है। इसीलिए इसे मंदिरों व पवित्र जगहों पर लगाया जाता है।

औषधि गुण– इसकी छाल अल्सर व त्वचा रोगों में फायदेमंद है। नपुंसकता, गुर्दे की बीमारी, कब्ज़, पेट दर्द तथा रक्त को शुद्ध करने में इसका उपयोग किया जाता है।

बुराँस– छोटे आकार का सदाबहार पौधा होता है।

इसकी छाल लालिमायुक्त भूरी होती है। शाखाओं के अंत में पत्तियाँ अधिक होती हैं। फूल बेहद सुंदर चटक लाल रंग के होते हैं। इनको मंदिरों में और त्यौहारों में खासकर पहाड़ में मनाया जाने वाला पर्व "फूलदेई" के अवसर में दरवाज़े पर सजाया जाता है।

औषधि गुण– इसके पुष्प स्वाद में खट्टे होते हैं लेकिन इसका प्रयोग कई सारी बीमारियों को दूर करने के लिए किया जाता है। इसके जूस से हृदय रोग के व्यक्ति को फायदा होता है। किडनी से सम्बन्धित बीमारी को दूर करता है तथा रक्त कोशिकाओं को बढ़ाता है।

थुनेर/तलिसपत्रा– यह छोटा सदाबहार वृक्ष है। इसकी लकड़ी बहुत टिकाऊ मानी जाती है। इससे 'टैक्सोल' प्राप्त होता है। टैक्सोल कैंसर विरोधी दवा के रूप में प्रयोग किया जाता है।

***

Dr Anju Bhatt
Co-ordinator, NAAC
Rajkiya mahavidyalaya Barkot
Uttarkashi

Principal
Rajkiya mahavidyalaya Barkot
Uttarkashi

धर्मार्थकाममोक्षाणाम् आरोग्यं मूलमुत्तमम्।
रोगास्तस्यापहर्तारः श्रेयसो जीवितस्य च।।

–चरकसंहिता सूत्रस्थानम् – १.१४

धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष का मूल (जड़) उत्तम आरोग्य ही है। अर्थात् इन चारों की प्राप्ति आरोग्य के विना सम्भव नहीं है।

श्रीदेव सुमन जन्मदिवस पर वृक्षारोपण कार्यक्रम

श्रीदेव सुमन जन्मदिवस 25 जुलाई 2019 एवं हरेला पर्व के उपलक्ष में महाविद्यालय परिसर में वन विभाग एवं महिला मंगल दल इरख्याट गाँव एवं महाविद्यालय के NSS के छात्रों के साथ इकोक्लब के सदस्य छात्र/छात्राओं ने वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम में हिस्सा लेकर वृक्षारोपण कार्यक्रम के उपलक्ष में वृक्षारोपण किया। वृक्षारोपण कार्यक्रम में वनविभाग द्वारा दिये गये वृक्षों एवं छात्रों द्वारा लाये गये वृक्षों का रोपण किया व इन पेड़-पौधों की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी ली।

25/07/2019

डॉ॰ जगदीश चन्द्र रस्तोगी
(असि॰ प्रो॰ वनस्पति विज्ञान)
संयोजक इकोक्लब
R.S.R Govt D.C. Barkot

Dr. Anju Bhatt
Co-ordinator, NAAC
Rajkiya mahavidyalaya Barkot
Uttarkashi

Principal
Rajkiya mahavidyalaya Barkot
Uttarkashi

Scanned with OKEN Scanner
Scanned with OKEN Scanner

सत्र 2019-2020

Date 25/07/2019

श्रीदेव सुमन दिवस व हरेला पर्व पर वृक्षारोपण

25 जुलाई 2019 को महाविद्यालय में श्रीदेव सुमन दिवस व हरेला पर्व के उपलक्ष में वृहद रूप से वृक्षारोपण किया गया। जिसमें महाविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विषय के छात्र/छात्राओं ने वृक्षारोपण में अहम भूमिका निभायी। छात्र/छात्राओं ने वन विभाग द्वारा प्रदान किए गये पेड़ों व स्वयं द्वारा ~~किए~~ लाये गये पेड़-पौधों का वृक्षारोपण किया। जिसमें कुछ छायादार व कुछ फलदार वृक्षों का रोपण किया। वनविभाग द्वारा महाविद्यालय को 50 पेड़ दिये गये थे जिनका रोपण महाविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया गया, इसके उपरांत महाविद्यालय में संगोष्ठी की गयी, जिसमें वनस्पति विज्ञान के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

(हस्ताक्षर) 25/07/2019
डॉ० जगदीश चन्द्र रस्तोगी
असि०प्रो०, वनस्पति विज्ञान
श०सिं०रावत राजकीय
महाविद्यालय बड़कोट (उत्तरकाशी)

विभाग प्रभारी
वनस्पति विज्ञान विभाग
राजकीय महाविद्यालय बड़कोट
उत्तरकाशी

(हस्ताक्षर)
Dr. Anju Bhatt
Co-ordinator, NAAC
Raikiya mahavidyalaya Barkot

(हस्ताक्षर)
Principal

Scanned with OKEN Scanner

02 अक्टूबर 2019 को राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के जन्म दिवस पर कार्यक्रम आख्या

आज दि० 02 अक्टूबर 2019 को राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी एवं लाल बहादुर शास्त्री के जन्मदिवस के उपलक्ष में ईकोक्लब के छात्र छात्रों छात्राओं ने राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्रों के संयुक्त तत्वाधान में FIT इण्डिया मूवमेंट के तहत महाविद्यालय परिसर से यमुना पुल तक पैदल चले व सड़क के किनारे पड़े गुटखा, सुपारी, चिप्स, नमकीन एवं प्लास्टिक की कोल्ड बोतल को एकत्रित किये व उनका निस्तारण किया तथा महाविद्यालय परिसर की साफ-सफाई की तथा सभी छात्र/छात्राओं ने प्रतिभाग कर कार्यक्रम को सफल बनाया।

(हस्ताक्षर) 2/10/19
डॉ० जगदीश चन्द्र रस्तोगी
(असि०प्रो०, वन० विज्ञान)
संयोजक, ईकोक्लब
R.S.R.G.D.C. Barkot

छात्र-छात्राओं के हस्ताक्षर व कक्षा		छात्र/छात्राओं के हस्ताक्षर (व कक्षा)	
(हस्ताक्षर)	B.A. III	काजल	B.A. I year
(हस्ताक्षर)	B.A. III	निकिता	B.A. I year
विकास	B.Sc. II year	Nikita	B.Sc. I year
Rakhi	B.A. III year	Varsha	B.A. I year
Hemant Singh Arya	B.Sc. IInd y.	Anupama	B.Sc. Ist year
Deeksha Chauhan	B.A. IInd y.	Jitika	B.A. Ist year
Anshika Dimri	B.Sc. Ist year	(हस्ताक्षर)	B.A. Ist year

(हस्ताक्षर)
Dr. Anju Bhatt
Co-ordinator, NAAC
Rajkiya mahavidyalaya Barkot
Uttarkashi

(हस्ताक्षर)
Principal
Rajkiya mahavidyalaya Barkot
Uttarkashi

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

[illegible] के हस्ताक्षर व कक्षा	[illegible] के हस्ताक्षर व कक्षा
[illegible] B.A III	Shivraj B.Sc II year
[illegible] B.A III year	Rhishu kumar B.Sc III
[illegible] B.A III year	Nctish Tamta "
[illegible] B.A III year	Aati "
[illegible] B.A. III year	Neha Rawat "
[illegible] B.A III year	Ikta "
[illegible] B.Sc IInd year	Deepika "
[illegible] B.Sc IInd year	Sachna "
[illegible] B.Sc IInd year	Rinkita "
[illegible] B.Sc IInd year	Rachana "
manisha B.Sc IInd year	Satish "
Pravesh Singh Rawat B.Sc Ist	Ajay "
Aman Aslesh B.Sc IInd	Subash "
Pooja Pooja Tiwari B.A I	baldev "
Minakshi Minakshi B.A II	Kajal "
Radhika Jayara B.A III	Megha "
Pooja Jayara B.A III	Neelam "
Ajay B.A IInd year	Sachin kumar B.Sc. Ist sem
Vikas Panwar B.Sc IInd year	Ajay mohan "
Divyam kumar B.A Ist	Shivam Soriyal "
Ghanshyam Singh Panwar B.A III	Aman Jayara B.Sc. II year
Sachin Shah (B.Sc II year)	Amit B.A I
Rakesh Rana Raka (B.Sc III year) III sem	Romit B.A I
Naved Alam (B.Sc III year)	Sonu [illegible] B.A IInd
Amit (B.Sc III year)	Roshan Jayara B.A III
Prabhat B.Sc III year	Sandhya Rawat - B.A IInd year
Devraj B.Sc II year	Archana Rawat - B.A IInd year
Vinod B.Sc III year	Ajmin Bharti - B.A IInd year

Dr. Anju Bhatt
Co-ordinator, NAAC
Rajkiya mahavidyalaya Barkot
Uttarkashi

Principal
Rajkiya mahavidyalaya Barkot
Uttarkashi

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

[illegible] B.A I

[illegible] B.A I

[illegible] B.A I

Chetan Kandwal B.Sc IInd Year

[illegible] B.A III Year

[illegible] B.A III Year

[illegible] B.A II Year.

[illegible] B.A I

Madhusudan [illegible] B.Sc Ist year

Akhilesh B.Sc Ist year

Ashish kumar B.Sc Ist year

Ghanshyam Singh Panwar B.A 2nd

Sachin Shah BSC Ist year [illegible]

[illegible] सिंह BSc.II [illegible]

Sidhesh B.A I year

Mahesh B.A I years

विभाग प्रभारी
वनस्पति विज्ञान विभाग
राजकीय महाविद्यालय बड़कोट
उत्तरकाशी

Dr. Anju Bhatt
Co-ordinator, NAAC
Rajkiya mahavidyalaya Barkot
Uttarkashi

Principal
Rajkiya mahavidyalaya Barkot
Uttarkashi

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

दिनांक 02 अक्टूबर 2019, रोवर्स/रेंजर्स एवं अन्य छात्र/छात्राओं साफ-सफाई कार्यक्रम

Scanned with OKEN Scanner

आज दिनांक 07 मार्च 2020 को महाविद्यालय में इको क्लब की नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया जिसमें निम्नलिखित के नवीन पदाधिकारियों को नामित किया गया। तत्पश्चात पर्यावरणीय प्रदूषण व महाविद्यालय प्रांगण को स्वच्छ बनाने हेतु संगोष्ठी की गयी।

पदाधिकारी निम्नवत हैं।

1. मुख्य कार्यक्रम अधिकारी - डॉ० एस०के० तिवारी (प्राचार्य, पदेन)
2. कार्यक्रम अधिकारी - डॉ० जगदीश चन्द्र रतूड़ी
3. कार्यक्रम सदस्य - डॉ विजय बहुगुणा
   - श्री अखिलेश जैनी
   - " राहुल राणा
4. आमंत्रित सदस्य - वन क्षेत्राधिकारी बड़कोट
   - कृषि अधिकारी बड़कोट
   - श्रीमती गौरादेवी (अध्यक्ष महिला दल)
5. कार्यक्रम - सदस्य छात्र संघ/छात्र/छात्रायें - ऋषभ कुमार (अध्यक्ष)
   - नितीश कुमार (महासचिव)
   - मोहित विश्वकर्मा (उपाध्यक्ष)
   - अमित (कोषाध्यक्ष)
   - कु० राखी जयाड़ा (सहसचिव)
6. उपस्थित सदस्य - जिनका विवरण अगले पृष्ठ पर दिया गया है।

संगोष्ठी

आज दिनाँक 07 मार्च 2020 को महाविद्यालय में इको क्लब की नवीन कार्यकारिणी नामित किये जाने के पश्चात संगोष्ठी आयोजित की गयी संगोष्ठी में नवप्रभात, कु० शालिनी, अखिलेश ने अपने-अपने व्यक्त किये। डा० जगदीश चन्द्र रतूड़ी ने छात्र/छात्राओं को संबोधित करते हुए पर्यावरणीय अजैविक एवं जैविक

Principal
Rajkiya mahavidyalaya Barkot
Uttarkashi

Dr. Anju Bhatt
Co-ordinator, NAAC
Rajkiya mahavidyalaya Barkot
Uttarkashi

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

सदस्यों की जानकारी में लाया गया। बैठक में निम्न प्रस्ताव पारित किये गये। जो निम्नवत हैं।

प्रस्ताव 1 - महाविद्यालय परिसर में बॉटनीकल (botanical) गार्डन बनाया जायेगा। जिसके लिए स्थान चयन कर कार्य प्रारम्भ किया गया।

प्रस्ताव 2 → वर्षा ऋतु में वर्ष 2017 की भाँति श्रीदेव सुमन जन्म दिवस व हरेला पर्व पर वृहद वृक्षारोपण किया जाएगा।

प्रस्ताव 3 → महाविद्यालय परिसर में फलदार वृक्षों का रोपण किया जायेगा।

प्रस्ताव 4 → वृक्षारोपण व बागवानी हेतु वन विभाग व कृषि विभाग के अधिकारियों से सहयोग लेकर महाविद्यालय परिसर सुसज्जित किया जाएगा।

विभाग प्रभारी
वनस्पति विज्ञान विभाग
राजकीय महाविद्यालय बड़कोट
उत्तरकाशी

Dr. Anju Bhatt
Co-ordinator, NAAC
Rajkiya mahavidyalaya Barkot
Uttarkashi

Principal
Rajkiya mahavidyalaya Barkot
Uttarkashi

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

[illegible] की उपस्थिति

क्र० सं०	छात्र/छात्रा का नाम	कक्षा	अनुक्रमांक	हस्ताक्षर
1	Shalini	CS III Sem	01	Shalini
2	Kanchan Bala	"	07	Kanchan
3	Ashish Kumar	B.Sc III year	18	Ashish
4	Aafsha	B.Sc 3rd Year	19	Aafsha
5	Neha	B.Sc IIIrd Year	11	Neha
6	Archana	B.Sc IIIrd	22	Archana
7	Ekta	B.Sc IIIrd	10	Ekta
8	Anjli	B.Sc IIIrd	12	Anjli
9	Rekha	B.Sc IIIrd	02	Rekha
10	Kaushtu	B.Sc IIIrd	03	Kmahit
11	Neelam	B.Sc Ist	530	Neelam
12	Preeti	B.Sc Ist	64	Preeti
13	Anupama Dimri	B.Sc Ist	12	Anupama
14	Kanchan Badoni	B.Sc Ist	62	Kanchan
15	Manjita Ramola	B.Sc Ist	15	Manjita
16	Manisha Arya	B.Sc Ist	27	Manisha
17	Smriti	B.Sc III Sem	16	Smriti
18	Rinkita	B.Sc III year	08	Rinkita
19	megha	B.Sc III year	17	megha
20	Kajal	B.Sc IIIrd Year		Kajal
21	Pallavi	B.Sc IIIrd Semester	10	Pallavi
22	Kalpana	B.Sc IIIrd Semester	12	Kalpana
23	Anshika Dimri	B.Sc. I Ist year	35	Anshika
24	Dimpal	B.Sc Ist year	44	Dimpal
25	Monika	B.Sc Ist year	34	Monika
26	Amit	B.Sc III		Amit
27	Parbhat	B.Sc III		Parbhat
28	Swadesh	B.Sc II		Swadesh
29	Kishore	B.Sc I		Kishore
30	Dheeraj	B.Sc I		Dheeraj
31	Ankit Bahuguna	B.Sc IIIrd		Ankit

Anju Bhatt
Dr. Anju Bhatt
Co-ordinator, NAAC
Rajkiya mahavidyalaya Barkot
Uttarkashi

Principal
Rajkiya mahavidyalaya Barkot
Uttarkashi

Scanned with OKEN Scanner
Scanned with OKEN Scanner

32	Himanshu [illegible]	B.Sc III[rd]	Himans
33	Ashish Kumar	B.Sc III[rd] sem	Akumar
34.	Mahesh Kumar	B.Sc III[rd] sem	Mahesh
35	[illegible] Kumari	B.Sc I year	[illegible]
36	Shivam Semwal	B.Sc I[st] year	Shivam
37	Ajay [illegible]	B.Sc I[st] year	Ajay
38	[illegible] Kumari	B.Sc I[st] year	[illegible]
39	[illegible]	B.Sc I[st] year	[illegible]
40	[illegible]	B.Sc I[st] year	[illegible]
41	[illegible]	BSc I[st] year	[illegible]
42	[illegible] Singh	— — —	[illegible]
43	Madhusudan [illegible]	BSc I[st] year	Sudan

[illegible] 01/01/2020
संयोजक
विभाग प्रभारी
वनस्पति विज्ञान विभाग
राजकीय महाविद्यालय बड़कोट
उत्तरकाशी

[signature]
Dr. Anju Bhatt
Co-ordinator, NAAC
Rajkiya mahavidyalaya Barkot
Uttarkashi

[signature]
Principal
Rajkiya mahavidyalaya Barkot
Uttarkashi

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

दिनांक 17 जुलाई 2020, ईको क्लब द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम

Scanned with OKEN Scanner

सत्र 2020-2021

Date 04 मार्च 2021

ईको क्लब (Eco club) का गठन

आज दिनांक 04 मार्च 2021 को राजेन्द्र सिंह रावत राजकीय महाविद्यालय बड़कोट में संगोष्ठी की गयी। जिसमें 'ईको क्लब' का गठन किया गया। सर्वप्रथम सत्र 2019-20 की कार्यकारणी भंग की गयी तत्पश्चात ईकोक्लब के पदाधिकारियों का चयन किया गया। पदाधिकारी निम्नवत है।

1. मुख्य कार्यक्रम अधिकारी - डॉ० एन०के० तिवारी, प्राचार्य
2. कार्यक्रम अधिकारी - डॉ० जगदीश चन्द्र रस्तोगी
3. कार्यक्रम सदस्य - डॉ० बी०एल० थपलियाल
4. कार्यक्रम सदस्य - डॉ० विजय बहुगुणा
5. कार्यक्रम सदस्य (छात्र/छात्राएं)

अध्यक्ष —	अखिलेश	B.Sc III year
उपाध्यक्ष —	नितेश कुमार	B.Sc II Sem
सचिव —	आशीष कुमार	"
सहसचिव —	हरिमणि	B.Sc I year
कोषाध्यक्ष	नवदीप	B.Sc I year

आज दि० मार्च 2021 को महाविद्यालय में ईको क्लब (eco club) की नवीन कार्यकारणी का गठन किया गया। तत्पश्चात सभी सदस्यों ने आपस में चर्चा परिचर्चा की गयी। नवीन पदाधिकारियों ने अपने संबोधन में महाविद्यालय में किए जाने वाले कार्यों की विवेचना की। कार्यक्रम में कार्यक्रम अधिकारी डॉ० जगदीश चन्द्र रस्तोगी ने पिछले वर्षों में किए गये कार्यों के बारे में जानकारी दी। तत्पश्चात निम्नलिखित प्रस्ताव पारित किए गये।

प्रस्ताव 1 - पिछले वर्षों की भाँति इस वर्ष भी श्री देव सुमन जन्मदिवस पर एवं हरेला पर्व पिछले वर्षों

Dr. Anju Bhatt
Co-ordinator, NAAC
Rajkiya mahavidyalaya Barkot
Uttarkashi

Principal
Rajkiya mahavidyalaya Barkot
Uttarkashi

Scanned with OKEN Scanner
Scanned with OKEN Scanner

की भाँति वृक्षारोपण किया जाएगा।

प्रस्ताव 2:- बॉटनीकल गार्डन पर कार्य किया जा रहा बॉटनीकल गार्डन जल्दी-जल्दी तैयार किया जायेगा जिसमें विविध प्रकार के पेड़-पौधों का रोपण किया जाएगा।

प्रस्ताव 3:- बॉटनी विषय के समस्त छात्र-छात्राएं मिलकर गमले लाकर इसमें फूलदार पौधों का रोपण किया जाएगा।

प्रस्ताव:- महाविद्यालय परिसर के बाहरी दीवार बनाने हेतु शासन/प्रशासन से सूचना का सम्प्रेषण करके यथाशीघ्र अधूरी बनी दीवार को पूरा करने के लिए प्रयास करेंगे।

ईकोक्लब के निम्नलिखित सदस्य बैठक मे मौजूद रहे।

क्र०सं०	छात्र/छात्रा का नाम	कक्षा	हस्ताक्षर
1	Ashish kumar	B.Sc IInd year	Ashish
2	Monika	Bsc IInd year	monika
3	VIKAS	B.Sc. 5th sem	[signature]
4	Navdeep	B.Sc I year	[signature]
5	Anju Rawat	B.Sc I year	Anju Rawat
6	Sohan Bharti	B.Sc Vth sem	Sohan
7	Deepak kumar	B.Sc. Vth Sem	[signature]
8	Jaydev Sajwan	B.S.C VIthSem	Jaydev
9	Manisha	B.sc I year	Manisha
10	Akhilesh	B.Sc IInd year	[signature]
11	Shivam	B.sc IInd year	Shivam

Dr. Anju Bhatt
Co-ordinator, NAAC
Rajkiya mahavidyalaya Barkot
Uttarkashi

Principal
Rajkiya mahavidyalaya Barkot
Uttarkashi

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

क्र०सं०	छात्र/छात्रा का नाम	कक्षा	हस्ताक्षर
12	Madhusudan	B.Sc. IInd year	Sudan
13	Anupama Dimri	B.Sc IInd year	Anupama
14.	Sonalika	B.Sc Ist year	Sonalika
15.	Nitesh	B.Sc Vth sem	Nitesh
16	Sheetal Panwar	B.Sc Vth Sem	Sheetal
17-	Shalini	B.Sc 5th sem	Shalini
18	Vasudev Panwar	B.Sc 1 year	[illegible]
19	Rishabh Tamta	B.Sc 1 year	Rishabh
20	Lokesh Kumar	B.Sc 1 year	Lokesh
21	Vijay mohan	B.Sc 1 year	Vijay mohan
22	Nikita	B.Sc IInd year	Nikita
23	Anshika Dimri	B.Sc. II year	Anshika
24	Preeti	B.Sc IInd year	Kalura
25	Harshmani Mantriyan	B.Sc Ist year	Harshmani
26	Chanchal	B.Sc Ist Year	Chanchal
27	Anchal	B.Sc Ist year	Anchal
28	Anjali	B.Sc IInd year	Anjali
29	Ashish Kumar	B.Sc IInd year	Akumar
30	Neelam	B.Sc IInd Year	Neelam
31	Ritu	B.Sc Ist year	Ritu
32.	Rishabh	B.Sc II year	Ri
33.	Shivani	B.Sc I year	Shivani
34.	Anuj Nath	B.Sc IInd year	Anuj
35	Sumit Kumar	B.Sc IInd year	Skumar
36	Neelam	B.Sc IInd year	Neelam
37	Namrata	B.Sc IInd year	Namrata
38	Kajal	B.Sc. IInd year	Kajal
39	Kajal	B.Sc IInd year	Kajal

04/3/24
विभाग प्रभारी
वनस्पति विज्ञान विभाग
राजकीय महाविद्यालय बड़कोट
उत्तरकाशी

Principal
Rajkiya mahavidyalaya Barkot
Uttarkashi

Dr. Anju Bhatt
Co-ordinator, NAAC
Rajkiya mahavidyalaya Barkot
Uttarkashi

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

दिनांक 17 जुलाई 2021, ईको क्लब द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम

Scanned with OKEN Scanner

सत्र 2021-22 कार्यकारिणी

आज दिनांक 11 जनवरी 2022 को इकोक्लब (Eco club) की सत्र 2021-22 की कार्यकारिणी का गठन किया गया सर्व प्रथम सत्र 2020-21 की कार्यकारिणी भंग की गयी तत्पश्चात सर्व सर्वसम्मिति से नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया जिसमें निम्न पदाधिकारियों को चयनित किया गया।

1- मुख्य कार्यक्रम अधिकारी - डॉ० एन०के० तिवारी
2- कार्यक्रम अधिकारी - डॉ० जगदीश चन्द्र रतूड़ी
3- कार्यक्रम सदस्य - डॉ० बी० एल० थपलियाल
- डॉ० दया प्रसाद गैरोला
- डॉ० दिनेश शाह

4- कार्यक्रम सदस्य (छात्र-छात्राएं)

अध्यक्ष	हर्षमणि मेथियाल	B.Sc III	Mani
उपाध्यक्ष	कु० निकिता	B.Sc III	Nikita
सचिव	,, शिवानी	B.Sc II	Shivani
सहसचिव	,, अंजली राणा	B.Sc I	Anjali
कोषाध्यक्ष	लुकेश कुमार	B.Sc I.	Lukesh

कार्यकारिणी गठन के पश्चात निम्न प्रस्ताव पारित किए गए।

प्रस्ताव 1 हरेला पर्व के सुअवसर पर महाविद्यालय परिसर में वृहद रुप वृक्षारोपण किया जाएगा।

प्रस्ताव 2 महाविद्यालय में बोटनीकल गार्डन तैयार किया जाएगा।

प्रस्ताव 3. शैक्षणिक भवन के अन्दर बाहर गमलों में पुष्प लगाए जाएंगे।

Anju Bhatt
Dr. Anju Bhatt
Co-ordinator, NAAC
Rajkiya mahavidyalaya Barkot
Uttarkashi

Principal
Rajkiya mahavidyalaya Barkot
Uttarkashi

Scanned with OKEN Scanner
Scanned with OKEN Scanner

क्र.	छात्र/छात्रा का नाम	कक्षा	हस्ताक्षर
1	सोनी तोमर	B.Sc I year	सोनी तोमर
2.	अंशिका	BSc I year	Anshika
3	कार्तिका	Bsc Ist year	Kartika
4	नीलम	B.Sc IIIrd year	Neelam
5	नीलम	B.Sc IIIrd year	Neelam
6.	मुस्कान	B.Sc I year	Muskan
7.	शीतल डिमरियाल	B.Sc I year	[illegible]
8.	आयुषी	B.Sc I year	Ayushi
9	दीक्षा	B.Sc I year	[illegible]
10.	खुशबू	B.Sc I year	Khushboo
11.	अंशिता	B.Sc I year	Anshita
12	अनुपमा डिमरी	B.Sc IIIrd year	Anupama
13	चंचल राणा	B.Sc IInd year	Chanchal
14	संध्या	B.Sc Ist year	Sandhya
–	आँचल	BSc Ist year	Aanchal
16	आरती	B.Sc Ist	Arti
17	तानिया	B.Sc Ist year	Taniya
18.	अंचल राणा	B.Sc Ist year	Anchal
19	आँचल राणा	B.Sc Ist year	आँचल
20.	आशिष कुमार	B.Sc Ist year	आशिष
21	राकेश	B.Sc Ist year	Rakesh
22	स्नेहा	B.Sc Ist year	Sneha
23	सोनिया सेमवाल	B.Sc Ist year	Soniya
24	मिनिका	B.Sc II year	Minika
25	आँचल	B.Sc IInd year	Anchal
26	अनुराधा डिमरी	B.Sc Ist year	Anuradha
27	हिमानी	B.Sc Ist year	Himani
28	अनुज शाह	B.Sc II year	Anuj
29	विजय मोहन	B.Sc II year	Vijay

Dr. Anju Bhatt
Co-ordinator, NAAC
Rajkiya mahavidyalaya Barkot
Uttarkashi

Principal
Rajkiya mahavidyalaya Barkot
Uttarkashi

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Page ________

Date ________

30	अखिलेश	B.Sc III year	[signature: अखिलेश]
31	सुमित	B.Sc III year	[signature: Sumit]
32	शशिकान्त	B.Sc III year	[signature: Shashikant]
33	अंकित सिंह	B.Sc III^rd year	[signature: Ankit]
34	धीरज	B.Sc III^rd year	[signature]
35	मधुसूदन	B.Sc III^rd year	[signature]
36	पूनम	B.Sc I year	[signature: Poonam]

[signature]
Dr Anju Bhatt
Co-ordinator, NAAC
Rajkiya mahavidyalaya Barkot
Uttarkashi

[signature]
Principal
Rajkiya mahavidyalaya Barkot
Uttarkashi

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

बड़कोट कालेज परिसर में बनेगा बॉटनिकल गार्डन

बड़कोट। तटाऊ में स्थित राजकीय महाविद्यालय बड़कोट के परिसर में बॉटनिकल गार्डन बनाया जाएगा। महाविद्यालय में आयोजित इको क्लब की बैठक में यहां बॉटनिकल गार्डन बनाये जाने का निर्णय लिया गया है।

राजेंद्र सिंह रावत राजकीय महाविद्यालय बड़कोट में इको क्लब की कार्यकारिणी गठित की गई। जिसमें मुख्य कार्यक्रम अधिकारी प्राचार्य डॉ एके तिवारी तथा कार्यक्रम अधिकारी डॉ जगदीश चंद्र रस्तोगी, असिस्टेंट प्रोफेसर वनस्पति विज्ञान को मनोनीत किया गया। जबकि डॉ विजय बहुगुणा एवं डॉ बीएल थपलियाल को इको क्लब कार्यकारणी के सदस्य नामित किया गया। समिति में छात्र-छात्राओं को सहयोगी बनाकर कार्यक्रम किए जाने की योजना बनाई गई। छात्र पदाधिकारियों में अखिलेश को अध्यक्ष, नीतीश कुमार को उपाध्यक्ष, आशीष कुमार को सचिव, हर्षमणि को सह सचिव एवं नवदीप को कोषाध्यक्ष बनाया गया है।

Dr. Anju Bhatt
Co-ordinator, NAAC
Rajkiya mahavidyalaya Barkot
Uttarkashi

Principal
Rajkiya mahavidyalaya Barkot
Uttarkashi

Scanned with OKEN Scanner

राजेंद्र सिंह रावत राजकीय महाविद्यालय बड़कोट में सत्र 2014–15 के पश्चात रोवर्स–रेंजर्स इकाई को पुनः स्थापित करने हेतु सत्र 2018–19 में प्राचार्य डॉ० ए०के० तिवारी जी के द्वारा रोवर लीडर डॉ० जगदीश चंद्र रस्तोगी एवं रेंजर टीम लीडर डॉ० अंजू भट्ट को नामित किया गया। तत्पश्चात सर्वप्रथम महाविद्यालय के इच्छुक छात्र–छात्राओं में से 12 रोवर एवं 12 रेंजर को चयनित किया गया। दिनांक 25 मई 2019 को महाविद्यालय के रोवर–रेंजर की यूनिट का पंजीकरण किया गया। महाविद्यालय के रोवर–रेंजर ने हरेला पर्व, 15 अगस्त (स्वतंत्रता दिवस), 2 अक्टूबर गांधी जयंती तथा 9 नवंबर उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस पर महाविद्यालय में परिसर में साफ–सफाई, वृक्षारोपण तथा अन्य गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। दिनांक 24–09–2019 को सत्र 2019–20 में बी०ए०/बी०एस–सी० प्रथम वर्ष के 12–12 छात्र–छात्राओं को पुनः रोवर्स–रेंजर्स में भर्ती कर दी गया। दिनांक 18 नवंबर 2019 को एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें रोवर लीडर डॉ० जगदीश चंद्र रस्तोगी ने भारत स्काउट गाइड प्रार्थना, प्रतिज्ञा एवं उसके, इतिहास की संपूर्ण जानकारी रोवर्स–रेंजर्स को दी। रोवर्स–रेंजर्स की दिनांक 03 दिसंबर 2019 को एक आवश्यक बैठक आहूत की गई। जिसमें 05 दिसंबर 2019 को लगाए जाने वाले एकदिवसीय शिविर के बारे में चर्चा परिचर्चा की गई। दिनांक 03–12–2019 को महाविद्यालय में रोवर–रेंजर्स का एक दिवसीय शिविर लगाया गया जिसमें रोवर–रेंजर ने महाविद्यालय परिसर में वृहद रूप से साफ सफाई की तथा कूड़े–करकट, प्लास्टिक इत्यादि के रैपर को इकट्ठा कर आग लगाकर समाप्त किया। तत्पश्चात रोवर लीडर डॉ० जगदीश चंद्र रस्तोगी ने रोवर–रेंजर को भारत स्काउट गाइड के शिविर के नियमों, उद्देश्य, गांठ बंधन, बी०पी०–6 इत्यादि की जानकारी से अवगत कराया। इस मौके पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ० ए०के० तिवारी ने रोवर–रेंजर को संबोधित करते हुए कहा कि रोवर–रेंजर की अपनी एक पहचान है तथा रोवर–रेंजर्स को अपने कर्तव्यों एवं सामाजिक कार्यों के प्रति जागरूक रहना चाहिए, देश हित में विभिन्न सामाजिक कार्य करने चाहिए। साथ ही उन्होंने रोवर्स–रेंजर्स को आवश्यक दिशा–निर्देश भी दिए इस अवसर पर पुष्पांजलि आर्य ने भी अपने वक्तव्य दिए।

Dr. Anju Bhatt
Co-ordinator, NAAC
Rajkiya mahavidyalaya Barkot
Uttarkashi

Principal
Rajkiya mahavidyalaya Barkot
Uttarkashi

Scanned with OKEN Scanner

DATE 11/9/21
PAGE 15

कार्यवाही सं०-7 दिनांक 11/9/21

आज दिनांक 11/9/21 को स्व राजेन्द्र सिंह रावत रा०म० महावि० बड़कोट में हिमालय दिवस मनाया गया, इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डा० एस० के० तिवारी जी द्वारा एन० एस० एस० स्वयंसेवियों को सम्बोधित करते हुए उन्हें हिमालय संरक्षण की शपथ दिलाई गई, प्राचार्य द्वारा हिमालय विकास, महत्व एवं संरक्षण पर प्रकाश डाला गया, एन० एस० एस० के वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डा० बी० पी० बहुगुणा द्वारा भी हिमालय की विशेषता, गुणवत्ता एवं महत्व पर प्रकाश डाला एवं स्वयंसेवियों को महत्वपूर्ण जानकारी दी गई।

इस अवसर पर महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापकगण सह प्राध्यापकगण, छात्र-छात्राएं एवं कर्मचारीगण सभी उपस्थित रहे।

प्राचार्य (हस्ताक्षर) 11/9/2021

(हस्ताक्षर)
वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी

(हस्ताक्षर) Rawat
कार्यक्रम अधिकारी
यूनिट-2

(हस्ताक्षर)
Dr. Anju Bhatt
Co-ordinator, NAAC
Rajkiya mahavidyalaya Barkot
Uttarkashi

(हस्ताक्षर)
Principal
Rajkiya mahavidyalaya Barkot
Uttarkashi

Scanned with OKEN Scanner

DATE
PAGE

• सरोजनी नायडु (भारत कोकिला) सदन

1	सरिता राणा	BAI
2	निधि राज	BAI
3	काजल	BAI
4	काजल शाह	BAI
5	सरला	BAI
6	सोनम	BAI

सदन वार विभाजन के बाद स्वयंसेवियों को आगामी द्वितीय दिवस के लिए राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा संचालित की जाने वाली दैनिक कार्य योजन का विवरण निर्धारित कर स्वयंसेवियों को बताया गया जो निम्नवत है।

प्रस्तुत कर्ता –
(रानी लक्ष्मीबाई सदन)

कार्यक्रम अधिकारी
राष्ट्रीय सेवा योजना
इकाई संख्या-02
राजकीय महाविद्यालय
बड़कोट (उत्तरकाशी)

[illegible] कार्यक्रम अधिकारी
राष्ट्रीय सेवा योजना
[illegible]
[illegible]
बड़कोट (उत्तरकाशी)

DATE
PAGE

राष्ट्रीय सेवा योजना का द्वितीय दिवस
(दिनांक 26 मार्च 2022 शनिवार)

आख्या रिपोर्ट

1. दिवस का प्रारंभ 5:00 बजे प्रात:।
2. 5:00 से 6:00 तक शौच आदि निवृत्त क्रियाएं।
3. 6:00 से 7:00 तक योगा व्यायाम आदि।
4. 7:00 से 7:30 तक जलपान आदि।
5. 7:30 से 8:30 तक प्रात: सरस्वती वंदना, राष्ट्रीय सेवा योजना का लक्ष्य गीत एवं कार्यक्रम अधिकारियों द्वारा संबोधित दिशा-निर्देश एवं प्रात: उपस्थिति।
6. 8:30 से दिन के 1:00 बजे तक विद्यालय प्रांगण में साफ-सफाई, स्वच्छता अभियान कार्यक्रम एवं विभिन्न सामाजिक कार्यक्रमों का निर्वहन जो प्रत्येक दिन अलग-अलग होंगे।
• जैसे – समाज की ज्वलंत समस्याएं जैसे एड्स से मुक्ति, कोविड-19 से बचाव, नशा मुक्ति एवं आत्मनिर्भर भारत, स्वच्छ भारत मिशन जैसे कार्यक्रमों पर जन-जागरूकता रैलियाँ, नुक्कड़ नाटक आदि।
7. 1:00 बजे से 2:00 बजे तक दिन का भोजन।
8. 2:00 बजे से 4:00 बजे तक बौद्धिक सत्र में विभिन्न क्षेत्रों से आए हुए विषय-विशेषज्ञों का संभाषण एवं विभिन्न विषयों पर संबंधित प्रतियोगिता जैसे भाषण निबंध, वाद विवाद आदि (प्रत्येक दिवस के विषय अलग-अलग होंगे)
• जैसे – आज दिनांक 26 मार्च 2022 को कोविड-19 के लक्षण एवं बचाव के उपाय विषय पर भाषण प्रतियोगिता।
9. 4:00 बजे से 4:30 तक सांय कालीन चाय नाश्ता आदि

Dr. Anju Bhatt
Co-ordinator, NAAC
Rajkiya mahavidyalaya Barkot
Uttarkashi

Principal
Rajkiya mahavidyalaya Barkot
Uttarkashi

Scanned with OKEN Scanner

DATE
PAGE

राष्ट्रीय सेवा योजना का तृतीय दिवस
(दिनाँक 27 मार्च 2022 रविवार)

आख्या रिपोर्ट

राष्ट्रीय सेवा योजना के तृतीय दिवस का आरम्भ प्रात: 5:00 बजे से हुआ जिसमें 5:00 बजे से 6:00 बजे तक शौच आदि निवृत क्रियाएं हुई तथा 6:00 बजे से 7:00 बजे तक योगा /व्यायाम किया जैसे- सूर्य नमस्कार तथा प्रणाम मुद्रा आदि 7:00 बजे से 7:30 बजे तक जलपान आदि क्रियाएँ की गई। 7:30 बजे प्रात: सरस्वती वन्दना राष्ट्रीय सेवा योजना का लक्ष्य गीत गाया। पुन: 8:00 बजे से 1:00 बजे तक जनजागरूकता कार्यक्रम हुआ। तथा 1:00 बजे से 2:00 बजे तक दिन का भोजन हुआ। 2:00 बजे से 4:00 बजे तक बौद्धिक सत्र हुआ। जैसे - भाषण, निबंध तथा नुक्कड़ नाटक आदि। जैसे आज दिनांक 27 मार्च 2022 को नशा मुक्ति अभियान का विषय पर है। तथा कार्य-क्रम के मुख्य अतिथि पूर्व प्राचार्य डॉ० ए० के० तिवारी तथा वर्तमान प्राचार्य डॉ० डी० एस० नेहरा जी का स्वयंसेवियों के द्वारा उत्साह पूर्व स्वागत किया गया। तत्पश्चात् जलपान की व्यवस्था अतिथियों के लिए किया गया। 4:00 बजे से 4:30 बजे तक सायं कालीन चाय नाश्ता किया गया। 4:30 बजे से 5:00 बजे तक स्वयंसेवियों के खेल और मनोरंजन आदि हुये तथा 5:00 बजे से 7:00 बजे तक सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए जिसमें स्वयंसेवियों तथा ग्राम कौंसिल के लोगों द्वारा भी प्रतिभाग किया गया। जैसे - नृत्य रासो तांदी आदि कार्यक्रम हुए। 7:00 बजे से 8:00 बजे तक रात्रि भोजन हुआ। 8:00 बजे से 9:30 बजे तक स्वयंसेवियों

DATE
PAGE - 9 -

और राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ० दया प्रसाद गैरोला तथा वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ० संगीता रावत तथा राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्य सदस्य श्री दीपक जयाड़ा तथा श्री दिपेन्द्र रावत जी के द्वारा रात्रि गोष्ठी, रात्रि उपस्थिति एवं आगामी दिवस की कार्य योजना का निर्माण किया गया। तथा गाँव के अन्य सदस्य इस कार्यक्रम में उपस्थित थे। 9:30 से रात्रि 10:00 बजे तक सभी स्वयंसेवियों के द्वारा विश्राम किया गया।

कार्यक्रम अधिकारी
राष्ट्रीय सेवा योजना
इकाई संख्या-02
राजकीय महाविद्यालय
बड़कोट (उत्तरकाशी)

वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी
राष्ट्रीय सेवा योजना
राजकीय महाविद्यालय
बड़कोट (उत्तरकाशी)

Dr. Anju Bhatt
Co-ordinator, NAAC
Rajkiya mahavidyalaya Barkot
Uttarkashi

Principal
Rajkiya mahavidyalaya Barkot
Uttarkashi

Scanned with OKEN Scanner

हरेला पर्व पर रोवर्स–रेंजर्स द्वारा वृक्षारोपण।

दिनांक 16 जुलाई 2021 को हरेला पर्व के शुभ अवसर पर महाविद्यालय परिसर में रोवर्स–रेंजर्स द्वारा वृहद वृक्षारोपण किया गया। वन विभाग रेंज बड़कोट द्वारा उपलब्ध कराए गए विभिन्न प्रजातियों के वृक्षों का रोपण किया गया। इस कार्यक्रम में रोवर प्रभारी डॉ० जगदीश चंद्र रस्तोगी की अगुवाई में रोवर्स–रेंजर्स ने बड़े ही मनोयोग से वृक्षारोपण कार्यक्रम संपन्न कराया। वृक्षारोपण कार्यक्रम में कुमारी कंचनबाला, कुमारी शिवानी, कुमारी शालिनी, कुमारी रंजना, कुमारी रवीना, कुमारी वंदना, कुमारी स्वतंत्री, कुमारी सोनालिका, हर्षमणि मंत्रियांण एवं अखिलेश ने प्रतिभाग किया।

स्वतंत्रता दिवस 2021 को रोवर्स–रेंजर्स द्वारा वृक्षारोपण

स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त 2021 के पर्व पर रोवर्स–रेंजर्स ने बड़े ही मनोयोग से महाविद्यालय परिसर में वन विभाग के रेंज बड़कोट के सहयोग से प्राप्त विभिन्न प्रजातियों के वृक्षों का रोपण किया। कोविड–19 के कारण कम रोवर्स–रेंजर्स को महाविद्यालय में बुलाया गया था। वृक्षारोपण के पश्चात संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम रोवर लीडर डॉ० जगदीश चन्द्र रस्तोगी के नेतृत्व में संपन्न किया गया। वृक्षारोपण कार्यक्रम में कुमारी मोनिका, कुमारी लविषा, कुमारी रंजना, कुमारी रवीना, कुमारी वंदना, कुमारी स्वतंत्री, कुमारी दिषा चौहान, हेमन्त सिंह आर्य एवं अखिलेश ने प्रतिभाग किया।

Dr. Anju Bhatt
Co-ordinator, NAAC
Rajkiya mahavidyalaya Barkot
Uttarkashi

Principal
Rajkiya mahavidyalaya Barkot
Uttarkashi

Scanned with OKEN Scanner

Environment and Sustainable Development

Dr. Pushpanjali Arya,
Associate Prof.
Department of Economics.

Environment is a complex set of conditions that envelops the earth. Human himself constitutes an integral part of the environment. He depends on nature for everything. The early human lived close to nature and the nature had enough to satisfy his needs. But the advancement of science and technology, rapid industrialisation, urbanisaion, economic development, increased population has increased man's greed for natural resources putting enormous pressure on environmental conditions.

Adverse effects of economic development on environment-

Development activities have led to various ecological conflicts which include:

I. Environmental Pollution-
* Air Pollution
* River Pollution
* Ground Pollution
* Light Pollution
* Thermal Pollution
* Noise Pollution
* Plastic Pollution
* Soil Pollution
* Municipal Solid waste Pollution
* Mining Pollution
* Industrial Solid waste Pollution

II. Disrupting bio-geo-chemical cycle
* Climate change and global warming
* Increased Green House Effect
* Ozone Layer depletion

III. Depletion of natural resources both renewable and non-renewable resources.
IV. Loss of Bio diversity.
V. Deforestation.
VI. Soil erosion.

Concept of Sustainable Development-

If underdevelopment is the greatest curse to humanity then environmental degradation is the greatest threat to human race. The untamed economic development at the cost of the environment cannot go on forever. The economic development needs to be channelled in such a way that it is not a threat to the environment. We should know that environmental degradation recognises no boundaries. Any change in any country/city has cascading effect on all parts of the world. Today the environmental crisis has emerged as a global problem and has attracted economists, environmentalists, scholars to mitigate the problem through action at the global level.

The concept of Sustainable Development is of very recent origin. It appeared in 1970s and was widely disseminated in the early 1980's by the world conservation strategy (ICUI, UNEP, WWF 1980) which called for the maintenance of essential ecological process, the preservation of bio-diversity and sustainable use of resources. In 1983, United Nations set up a World Commission on Environment and Development (Brundtland Commission) to examine the problems of Environment and Economic Development. World Commission on Environment and Developmen 1987, the Brundtland Report entitled, "Our Common Future", placed in on the world's political agenda and helped to rekindle public interest in the environment. This report defines Sustainable Development as, "Development that meets the needs of the present without compromising the ability of the future generations to meet their own needs". Sustainable Development assigns equal emphasis on development, environment preservation and restoration.

Dr. Arun Bhatt
Co-ordinator, NAAC
Rajkiya mahavidyalaya Barkot
Uttarkashi

Principal
Rajkiya mahavidyalaya Barkot
Uttarkashi

Scanned with OKEN Scanner

Objectives of Sustainable Development:

* Respect and care for all forms of life.
* Improve the quality of human life.
* Minimize the depletion of natural resources.
* Change personal attitude and practices towards the environment.
* Meeting the basic needs.
* Lifting the life standards.
* Maximizing the net effort of economic growth.
* Preservation, Conservation and Enhancement of environment, human and physical capital.
* Free the environment from all types of pollution.
* Strict control on gross exploitation of natural resources.

Goals of Sustainable Development

The goals of sustainable development include:

* No poverty
* Zero hunger
* Good health and well being
* Quality education
* Gender equality
* Clean water and sanitation
* Affordable and clear energy
* Decent work and economic growth
* Industry innovation and infrastructure
* Reduce inequality

Measures for Sustainable Development

* Use of eco-friendly technology
* Use of cultural suitable technology
* Wise use of resources with minimum wastages
* The three-R (3R) approach-Reduce, Reuse, Re cycle.
* Regenerate resources where ever possible.
* Preserving resources that have been reduced to small amount.
* Promoting Environmental Education and awareness.

Challenges of Sustainable Development

* Population explosion
* Increased poverty
* Inequality
* The shortage of drinking water
* Human health
* Consumption of all forms of energy
* Deforestation.

Most of the activities of economic development at present are focussed only on the economic side of development. The attitude has been to conquer the nature and the resources with the sole aim of development. Man's desire for luxury and comfort has led him to exploit free gifts of nature like water, land etc. resulting in environmental crisis. Environmental crisis is not localised within a region or a country but it has now become a global crisis. This menace of crisis ranges from deterioration of the small eco-systems to the total destruction of the biosphere. The concept of sustainable development is only an immediate panecea for all the environmental ills. It provides only a temporary solution to the environmental ills till some other more prominent solution to the problem is achieved. It does not discard development but creates an inter relationship between development and wise use of natural resources.

***

Our biggest challenge in the new century is to take an idea that seems abstract-sustainable developement and turn it in to a reality for all the world's people.

KOFI ANNAN

Dr. Anju Bhatt
Co-ordinator, NAAC
Rajkiya mahavidyalaya Barkot
Uttarkashi

Principal
Rajkiya mahavidyalaya Barkot
Uttarkashi

Scanned with OKEN Scanner

पहाड़ों पर सड़क निर्माण से पर्यावरण को नुकसान

कंचन बाला
बी.एस.सी. द्वितीय सेमेस्टर

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है, जो अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु प्रकृति पर निर्भर है। आधुनिक युग वैज्ञानिक युग है, जिसमें रहकर मनुष्य अपने बौद्धात्मक विकास से विभिन्न तकनीकों का उपयोग कर अपनी सुख-सुविधायें अर्जित करता है। मनुष्य ने प्राचीनकाल से ही अपनी विभिन्न आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु प्रकृति के साथ विभिन्न प्रकार से छेड़छाड़ की है जिनमें से सड़क निर्माण प्रमुख है। पहाड़ों पर सड़कों के निर्माण से जहाँ एक ओर यातायात सुविधाजनक हो गया है। वहीं दूसरी ओर प्रकृति को भी भारी क्षति पहुँचती है।

सड़क निर्माण से पर्यावरण को होने वाला नुकसान एक गंभीर समस्या के रुप में उभरकर आया है। हम जानते हैं कि सड़कों के निर्माण हेतु पहाड़ों तथा वनों को काटा जाता है, जिस कारण व्यापक स्तर पर वनोन्मूलन होता है। वनों के कटाव के कारण भूमि जल को नहीं रोक सकती और भारी वर्षा होने पर पहाड़ों से नीचे की ओर तेज़ी से जल बहने लगता है, इससे निचले क्षेत्रों में मृदा का कटान और बाढ़ का प्रकोप बढ़ जाता है। इससे पहाड़ी तथा मैदानी क्षेत्रों में भारी तबाही देखने को मिलती है। इतना ही नहीं पहाड़ों के कटाव के कारण भूस्खलन की अत्यधिक सँभावना बढ़ जाती है, जिसके कारण कई वनस्पतियाँ एवं जीव-जन्तु मिट्टी के नीचे दब जाते हैं, तथा जीव-जन्तुओं के आवास भी समाप्त हो जाते हैं; जिसके कारण जैव-विविधता की हानि होती है तथा पारिस्थितिक संतुलन बिगड़ जाता है।

वनोन्मूलन के कारण कार्बन डाई ऑक्साईड की सांद्रता बढ़ जाती है, क्योंकि पेड़-पौधे श्वसन प्रक्रिया में कार्बन डाई-ऑक्साइड ग्रहण करते हैं तथा ऑक्सीजन की मात्रा में कमी होती है और साथ ही साथ जलचक्र भी बिगड़ जाता है। इसके अतिरिक्त सड़कों पर चल रहे वाहनों से निकलने वाले धुएँ से भी वायु प्रदूषण तथा मृदा प्रदूषण के खतरों में बढ़ोत्तरी होती है।

भारत की राष्ट्रीय वन नीति (1988) में की सिफारिश के अनुसार पर्वतीय क्षेत्रों में 67 प्रतिशत तथा मैदानी क्षेत्रों में 33 प्रतिशत वन क्षेत्र होने चाहिए। जबकि औद्योगिक विकास के फलस्वरूप वन क्षेत्र बहुत सीमित रह गए हैं।

सामान्यत: सड़कों का निर्माण औद्योगिक विकास एवं आवागमन के लिए लाभप्रद है तथा समय एवं श्रम की बचत में भी सहायक है। परन्तु इसके कुछ हानिकारक परिणाम भी हैं जो मनुष्य तथा जीव-जन्तुओं को बुरी तरह से प्रभावित करते हैं।

पहाड़ों पर सड़को के निर्माण से यहाँ पर बसाये गये खेत-खलिहान भी नष्ट हो जाते हैं। चूँकि यहाँ जीवन-यापन का मुख्य आधार कृषि है, अत: यहाँ की आर्थिक स्थिति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

अत: स्पष्ट है कि पहाड़ों की पारिस्थितिकी के साथ छेड़-छाड़ मानव हित में नहीं है।

वर्तमान में आल वेदर रोड के कारण अकेले यमुना घाटी में 30.000 पेड़ो का कटान हुआ है, जो चिन्ताजनक है। इससे सतत् विकास की अवधारणा को धक्का लगा है। सरकार को चाहिए कि वह योजनाओं के क्रियान्वयन में पर्यावरणीय संतुलन को बरकरार रखे।

***

Dr. Anju Bhatt
Co-ordinator, NAAC
Rajkiya mahavidyalaya Barkot
Uttarkashi

Principal
Rajkiya mahavidyalaya Barkot
Uttarkashi

ग्रीन केमेस्ट्री अर्थात हरित– रसायन

विकास
बी.एस.सी.- द्वितीय सेमेस्टर

पोल एनास्ट्स ने 1991 में हरित रसायन शब्द का प्रयोग किया। हरित रसायन को हम जीवन रक्षक हरित रसायन भी कह सकते हैं। प्रारम्भ में हरित रसायन को पर्यावरण विज्ञान या पर्यावरण रसायन का ही रूप समझा गया। हरित रसायन, रसायन विज्ञान की वह शाखा है जिसमें प्रदूषण के स्रोत को नियंत्रित और कम करना तथा प्राकृतिक एवं सौम्य रसायनों द्वारा उत्पाद बनाना है। हरित रसायन जोखिमकारी रसायनी तकनीकों को कम या समाप्त करने का प्रयत्न कर वातावरण में प्रदूषण को नियंत्रित एवं मानव जीवन के अनुकूल बनाए रखता है जबकि पर्यावरण रसायन प्राकृतिक वातावरण में प्रदूषित रसायनों से सम्बन्धित है। जो रसायन प्रकृति में विभिन्न प्रकार के प्रदूषणों को फैलाते हैं।

वर्तमान समय में आज का जन–जीवन पर्यावरण रसायनों के प्रभाव से रासायनिक प्रदूषण से संकटग्रस्त हो चुका है, हरित रसायन ही एकमात्र आशा की किरण दिखाई देती है जो कि इस संकट से विश्व को बचा सकता है। यह संकट केवल एक देश पर नहीं है। इस संकट से पूरा विश्व परेशान है और इसका केवल एक ही उपचार है हरित रसायन। हरित रसायन एक ऐसा रसायन है जिसमें न्यूनतम खतरों वाले रसायनों या जल के विभिन्न प्रयोगों से जोखिमकारी रसायनों को कम करने का प्रयास किया जाता है। "हरित रसायन, रासायनिक अभिकारकों, उत्पादों एवं प्रक्रियाओं का वह रूप है जो खतरनाक पदार्थों के उपयोग एवं उत्पादों को न्यून करता है। अर्थात् हरित रसायन हानिकारक रसायनों के प्रयोग एवं उत्पादन से होने वाले ख़तरे को कम या पूर्णतः समाप्त कर हमें सुरक्षित रखता है। ख़तरनाक रसायनों के प्रयोग का न्यूनतम एवं सौम्य रसायनों का अधिकतम प्रयोग ही हरित रसायन का महत्त्व है।"

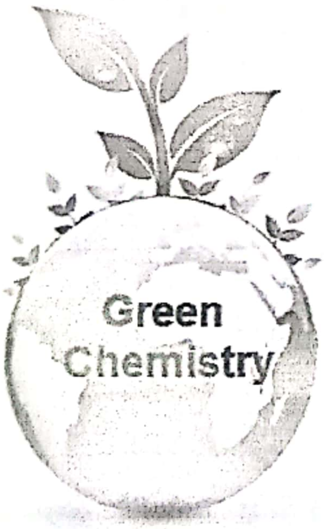

हरित रसायन की वर्तमान समय में आवश्यकता– वर्तमान समय में वातावरणीय परिस्थितियों में प्रदूषण का स्तर इतना ज़्यादा बढ़ चुका है कि मानव सहित समस्त जीवों एवं वनस्पतियों के लिए अत्यधिक हानिकारक साबित हो रहा है। ऐसी परिस्थितियों में एक मात्र समाधान है हरित रसायन। हरित रसायन को प्रयुक्त कर हानिकारक रसायनों अनुप्रयोग एवं सौम्य रसायनों अनुप्रयोग एवं सौम्य रसायनों के प्रयोग एवं नये सौम्य विधियों द्वारा उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं। विभिन्न जटिल एवं जोखिमकारी अभिक्रियाओं को हरित रसायन विधियों द्वारा सौम्य एवं पर्यावरण अनुकूल अभिक्रियाओं में परिवर्तित किया जा रहा है। स्कूल, कॉलेजों की लैब, कल–कारखानों में औद्योगिक प्रयोगशालाओं, जाँच प्रयोगशाला में खतरनाक रसायन प्रयुक्त होते हैं, जो कि प्रयोगशाला में काम करने वाले व्यक्ति को हानि पहुँचाते हैं। सामान्यतः गंधक का अम्ल सल्फ्यूरिक एसिड, बैंजीन मिनरल ऑयल ऐसे उदाहरण हैं, जो कैंसर कारक हैं और अत्यधिक प्रयोग किये जाते हैं। हरित रसायन का उद्देश्य ऐसे ही रसायनों को कम मात्रा में प्रयोग करना या पूर्णतः बन्द करना है। हरित रसायन विज्ञान में मिथाइल एल्कोहॉल को इथाइल एल्कोहॉल से बेंजीन को टौलवीन से प्रतिस्थापित किया गया है। बहुत सी अभिक्रियाओं को जल के माध्यम में भी कराने के प्रयास चल रहे हैं। कुछ में सफलता प्राप्त हो चुकी है। माइक्रोवेव में भी अब गत दशक से ज़्यादा से रसाय[illegible] अभिक्रियाएं कराई जा रही हैं। इस प्रकार मा[illegible] और पर्यावरण को सुरक्षित रखने में ह[illegible] रसायन वैज्ञानिक अच्छी सफ[illegible]

***

Dr. Anju Bhatt
Co-ordinator, NAAC
Rajkiya mahavidyalaya Barkot
Uttarkashi

Principal
Rajkiya mahavidyalaya Barkot
Uttarkashi

Scanned with OKEN Scanner

वृक्षारोपण

दीपिका रावत
बी.एस.सी. द्वितीय सेमेस्टर

आज की दुनिया समस्याओं से घिरी हुई है। इन समस्याओं में सबसे बड़ी समस्या है प्राणी, संसार और वनस्पति जगत के बीच बिगड़ता हुआ संतुलन।

आबादी की बेतहाशा बढ़ोत्तरी ने इस संतुलन को बिगाड़ा है और हमारे लिए आर्थिक और स्वास्थ्य सम्बन्धी अनेक समस्याएँ उत्पन्न कर दीं।

जंगलों के कटते रहने से मानव सभ्यता को खतरा पैदा हो गया है। मौसम में काफी परिवर्तन आ गया है। धरती के कुछ भागों में या तो लगातार कई वर्ष तक सूखा पड़ जाता है या फिर भयंकर बाढ़ आ जाती है।

"वृक्षों को न काटें हम ये पर्यावरण की शान है,
पेड़ लगाएं ज्यादा से ज्यादा ये पेड़ ही हमारी जान हैं।
पेड़ प्रदूषण से हमें बचाते पेड़ ही बारिश लाते हैं,
सुन्दर-सुन्दर फल खिलाते हमारी सेहत बनाते हैं।
खुद सहते धूप और तूफ़ाँ शीतल हवा और देते छाया,
न करे भेदभाव किसी से क्या अपना क्या पराया।
इनकी रक्षा करे पूरी श्रद्धा से इनका हम पर बहुत उपकार है
अपने बच्चों की तरह पालें इन्हें यही स्वस्थ जीवन का आधार है।"

वृक्ष न केवल धरती को उपजाऊ बनाते हैं बल्कि हमारे जीवन में भी चैतन्यता उत्पन्न करते हैं। यदि हम अपनी सभ्यता और संस्कृति की रक्षा करना चाहते हैं तो हमें न केवल अधिक से अधिक वृक्ष लगाने चाहिए बल्कि उनका पालन पोषण और रक्षण भी करना चाहिए।

वृक्ष हमारे लिए क्या कुछ नहीं करते ये देखने में सुन्दर लगते हैं तथा हवा को शुद्ध रखते हैं।

वृक्ष मौसम की कठोरता को कम करते हैं। वृक्ष हमें कई प्रकार के लाभ पहुँचाते हैं। हवा, पानी और मिट्टी का प्रदूषण वृक्षों की बढ़ोत्तरी से ही दूर हो सकता है।

खुली हवा और ऑक्सीजन के बिना मानव जीवन असंभव है। वृक्षारोपण और इनकी सँभाल से धरती पर हरियाली संभव है। वन और पानी अक्षय-स्रोत होते हैं। जब ये नहीं रहते हैं तो सदा बहने वाली नदियाँ सूख जाती हैं। बाँधों में पानी का स्तर घट जाता है, बिजली का उत्पादन रूक जाता है तथा नहरों में पानी कम हो जाता है। इससे अनाज कम उत्पन्न होता है और उद्योगों के लिए संकट पैदा हो जाता है।

इस भयानक स्थिति का सामना करने के लिए आवादी को कम करने के साथ-साथ वृक्षारोपण के अभियान को भी युद्ध स्तर पर चलाने की आवश्यकता है।

***

Dr. Anju Bhatt
Co-ordinator, NAAC
Rajkiya mahavidyalaya Barkot
Uttarkashi

Principal
Rajkiya mahavidyalaya Barkot
Uttarkashi

Scanned with OKEN Scanner

पेड़ों का जीवन में महत्त्व

कु. नेहा रावत
बी.एस.सी. द्वितीय सेमेस्टर

पेड़ प्रकृति का अनमोल उपहार है। पेड़ों के कारण ही इस हरी–भरी पृथ्वी पर हमारा जीवन खुशहाल है। पेड़ सच्चे योद्धा हैं, जो जन्म से ही हमारे लिए प्रदूषण से लड़ते रहते हैं और हमें स्वच्छ व सुंदर पर्यावरण देते हैं। पेड़ हमारी पृथ्वी पर हज़ारों वर्षों से हैं, ये चल फिर नहीं सकते लेकिन इंसानों की तरह साँस ले सकते हैं। पेड़ प्रदूषण वाली ज़हरीली कार्बन–डाइऑक्साइड को अवशोषित करके हमें शुद्ध ऑक्सीजन प्रदान करते हैं। पेड़ जीवन भर हमें खाने के लिए फल देते हैं, बारिश भी इन्हीं की वजह से होती है, जिससे हमें पीने को जल मिलता है। कपड़े, ईंधन के लिए लकड़ी, कागज़, रबड़, बीमारियों को दूर करने के लिए जड़ी–बूटियाँ, गर्मियों में ठंडी छाँव देते हैं। बारिश के दिनों में भूमि के कटाव को रोकते हैं। पेड़ों के पत्तों से भूमि उपजाऊ हो जाती है। पेड़ अन्य जीव–जन्तु को रहने के लिए घर के समान स्थान देते हैं और अन्य बहुमूल्य खनिज संपदा भी इन्हीं की देन है। लेकिन धीरे–धीरे जब से औद्योगिकीकरण और शहरीकरण बढ़ा है, वैसे-वैसे मानव द्वारा पेड़ों की अँधाधुंध कटाई की गई है जिसके कारण प्राकृतिक संतुलन गड़बड़ा गया है। शहरों में पेड़ नहीं होने के कारण वहाँ पर वर्षा कम होती है और वायु प्रदूषण भी अधिक मात्रा में रहता है। अगर पेड़ों की कटाई निरंतर इसी गति से चलती रही तो वह दिन दूर नहीं, जब पृथ्वी का विनाश हो जाएगा। प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ता जा रहा है, जिसके कारण ओज़ोन परत को नुकसान पहुँच रहा है और कैंसर जैसी भयानक बीमारियों ने मानव जाति को अपनी चपेट में लिया है। यदि हम इन प्राकृतिक आपदाओं से बचना चाहते हैं, तो हमें पेड़ों के संरक्षण की ओर कदम उठाने ही होंगे। पेड़ों की कटाई को रोकने के लिए लोगों को जागरूक करना चाहिए। पेड़ प्रकृति की वो देन है, जिसका कोई विकल्प उपलब्ध नहीं है। पेड़ हमारे सबसे घनिष्ठ मित्र हैं। हमारे द्वारा लगाया गया पेड़ सिर्फ हमें ही लाभ नहीं पहुँचाता बल्कि आने वाली कई पीढ़ियों को लाभ पहुँचाता है। इसलिए हमें अधिक से अधिक वृक्षारोपण करना चाहिए जिससे कि प्राकृतिक संतुलन बना रहे। पेड़ हमारे जीवन के लिए बहुत ज़रूरी है। इसलिए हमें लोगों को जागरूक करना होगा और अधिक से अधिक पेड़ लगाने होंगे जिससे हमारा आने वाला भविष्य सुरक्षित और स्वच्छ हो।

***

Dr Anju Bhatt
Co-ordinator, NAAC
Rajkiya mahavidyalaya Barkot
Uttarkashi

Principal
Rajkiya mahavidyalaya Barkot
Uttarkashi

Scanned with OKEN Scanner

पेड़ का दुःख

विकास
बी.एस.सी.-द्वितीय सेमेस्टर

ना दे मुझको पीड़ा इतनी तेरे काम मैं आऊँगा।
ना काट मेरे शरीर को इतना मैं तुझको ही बचाऊँगा॥
जो कुछ भी है सब पास मेरे तुझको ही दे जाऊँगा।
मेरे शरीर का हर हिस्सा तेरे काम ही आऊँगा॥
भरी जवानी में तू यूँ ही तड़पा न मुझको।
तुझको मैं प्राणवायु जीवन दे जाऊँगा॥
ना दे मुझको पीड़ा इतना तेरे काम मैं आऊँगा।
भूख प्यास हर हालात को सहकर तेरे लिए भोजन बनाऊँगा॥
धूप, गर्मी और सर्दी से मैं ही तो तुझे बचाऊँगा।
तेरी हर बीमारी का इलाज मैं तुझको दे जाऊँगा॥
इस बंजर धरती का सौन्दर्य मैं ही तुझे दिखलाऊँगा।
तू करेगा पालन मेरा तो तुझे जीवन परिभाषा सिखलाऊँगा॥
ना दे मुझको पीड़ा इतनी तेरे काम मैं आऊँगा।
ना काट मेरे शरीर को इतना मैं तुझको ही बचाऊँगा॥

***

Dr. Anju Bhatt
Co-ordinator, NAAC
Rajkiya mahavidyalaya Barkot
Uttarkashi

Principal
Rajkiya mahavidyalaya Barkot
Uttarkashi

Scanned with OKEN Scanner

वृक्ष एक संपदा

आशीष कुमार
बी.एस.सी.-द्वितीय सेमेस्टर

बचाना है पर्यावरण
मिटाना है धरती का दुःख
भगाओ दूर प्रदूषण को
बचाओ अपनी धरती माँ को।
देखो प्रदूषण का विष
मिलता जाए हवा से
वाहनों से उठा धुआँ
कर जाए और अति।
काटेंगे अगर पेड़ों को
तो नष्ट हो जाएंगे जंगल
जब जंगल नष्ट हो जाएंगे
तो कैसे पाओगे वर्षा जल।
जब वर्षा जल न होगा
तो कैसे पाओगे धन-धान्य
और हरी फसल।
स्वयं मानव पशुधन पेड़ पौधे और हवा
पर्यावरण निर्माण सब मिल करते हैं।
एक कड़ी भी जुटी तो मिलता है जीवन को आराम
एक कड़ी भी टूटी तो हो जाता है जीवन का नाश।
पर्यावरण गंदा करने पर
बनता है प्रदूषण
जो करता खराब पृथ्वी का भूषण।
जहाँ कटे वृक्ष अधिक
त्राहि-त्राहि करेगा जन...
तब क्या करोगे

जब बढ़ेगी, ग्रीन हाउस और कार्बन।
प्रदूषण से हो जाएगा बुरा हाल....
प्रदूषण को अपनाकर
मत बुलाओ तुम अपना काल॥
जब नहीं रहेगी पृथ्वी पर हरियाली
नहीं बचेगी जब गेहूँ की बाली॥
तब तू भोजन कैसे पकाएगा
तब मानव मानव को ही खा जाएगा॥
हर एक जो पेड़ लगाएगा
वह नेक काम कर जाएगा
जो समझेगा इनके दर्द
वह मनुष्य कहलाएगा॥

***

Dr. Anju Bhatt
Co-ordinator, NAAC
Rajkiya mahavidyalaya Barkot
Uttarkashi

Principal
Rajkiya mahavidyalaya Barkot
Uttarkashi

Scanned with OKEN Scanner

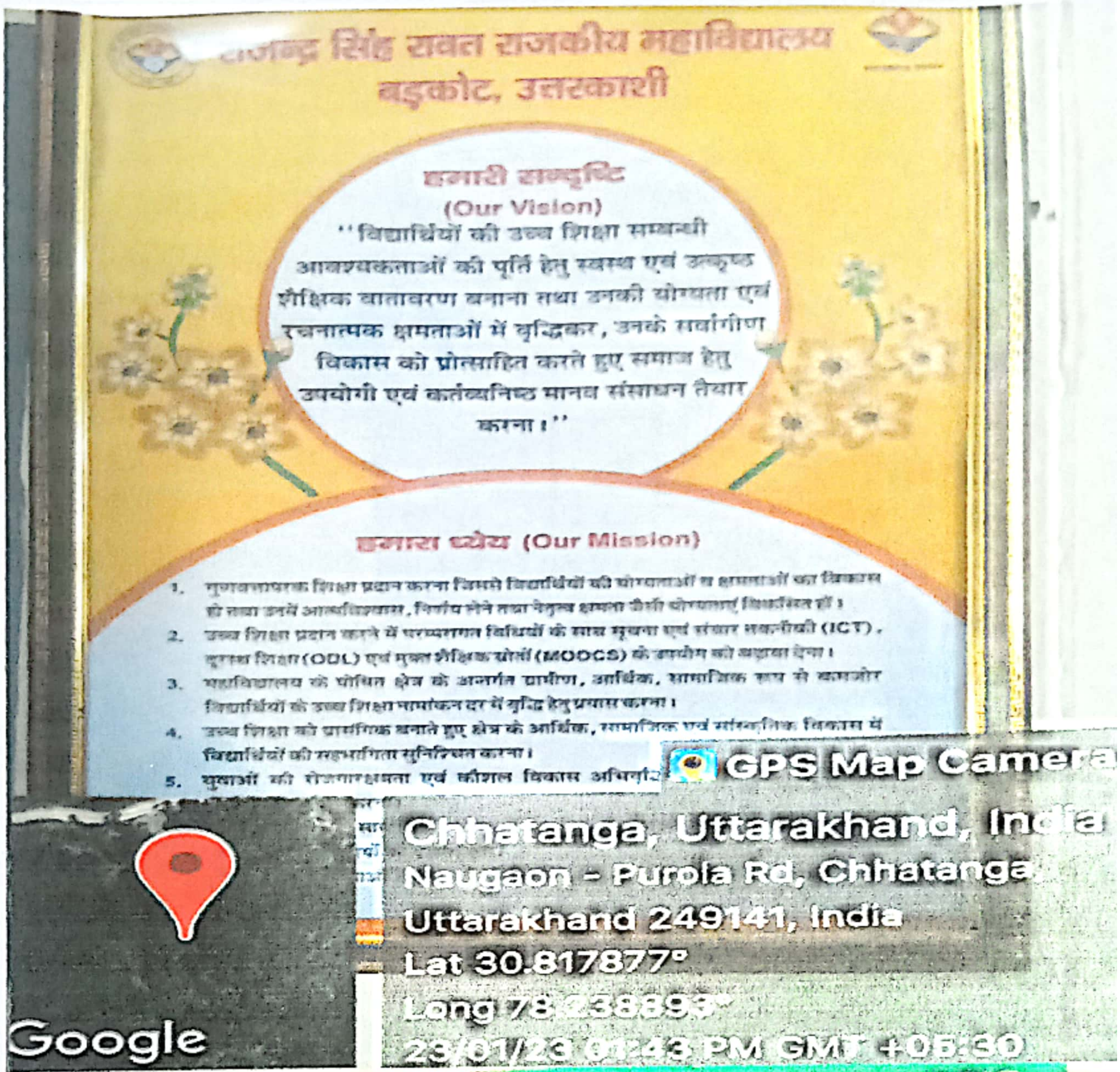

Scanned with OKEN Scanner

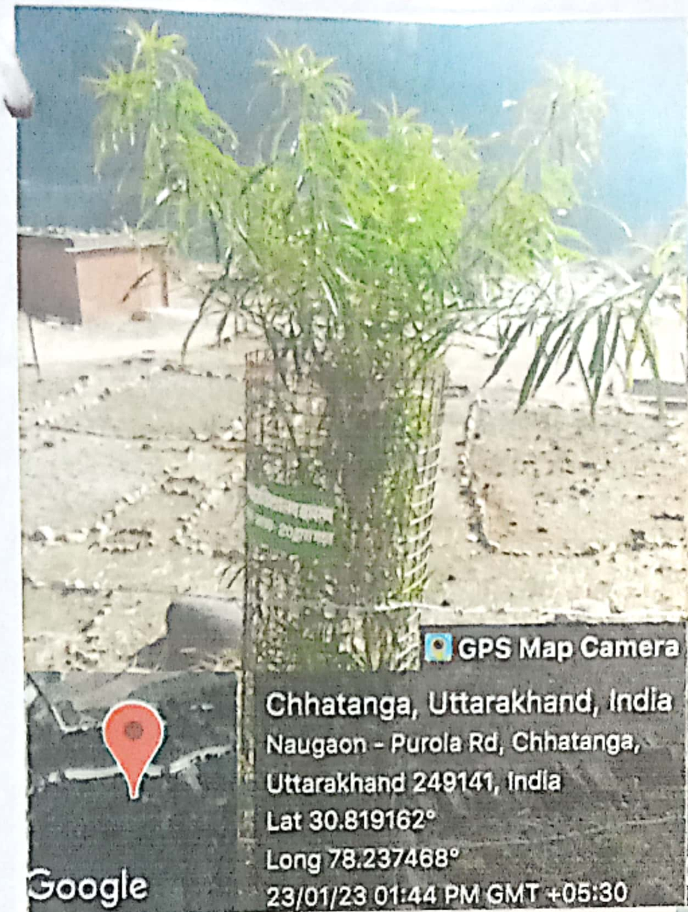

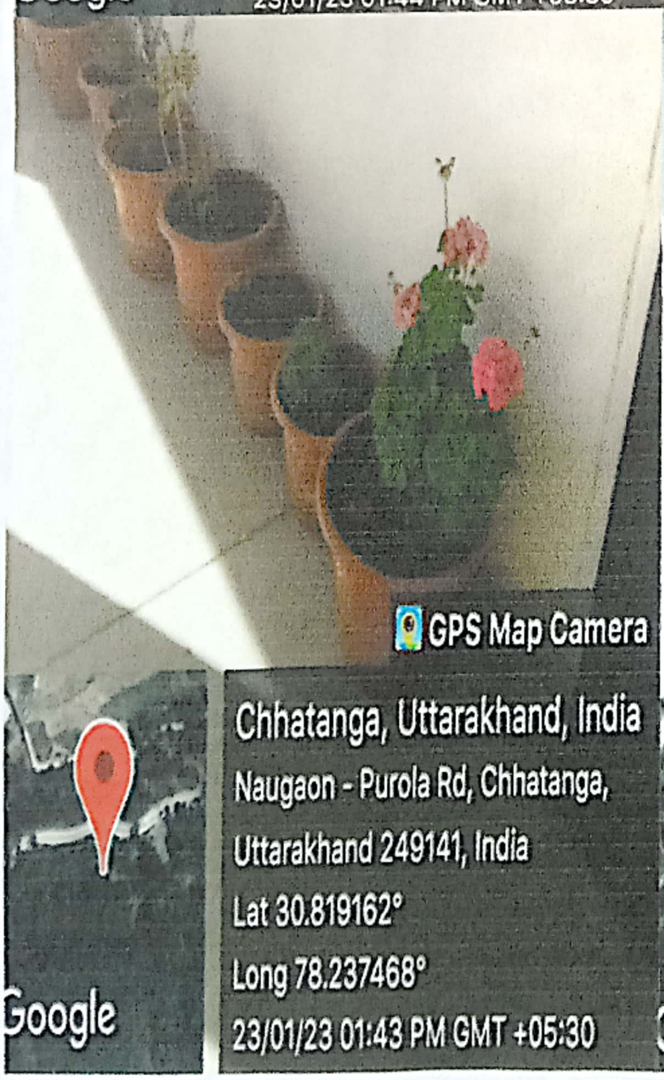

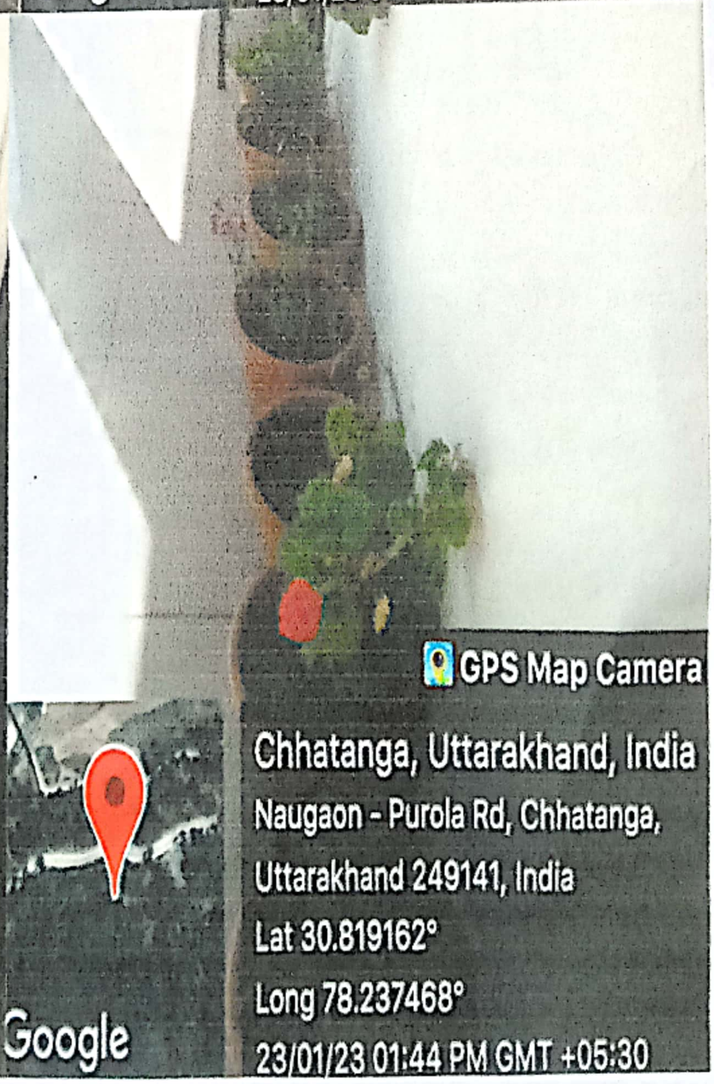

Scanned with OKEN Scanner